निवेश

यमुना प्राधिकरण ने एडिटेक सेमीकंडक्टर को जारी किया एलओआई

सेमीकंडक्टर की दूसरी यूनिट को हरी झंडी, खुलेंगे रोजगार के द्वार

अमर उजाला ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में एक और सेमीकंडक्टर यूनिट लगने जा रही है। प्राधिकरण ने एडिटेक सेमीकंडक्टर प्रा.लि. को सेक्टर-10 में 15 एकड़ में यूनिट लगाने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। मंगलवार को कंपनी को एलओआई (लेटर ऑफ इंटेंट) जारी कर दिया गया। कंपनी यहां करीब तीन हजार करोड़ रुपये निवेश करेगी।

एडिटेक सेमीकंडक्टर ने कहा कि वह यूनिट में हर साल 25 करोड़ सेंसर फैब का निर्माण करेगी, जो एविएशन और डिफेंस सेक्टर में काम आएंगे। यह परियोजना अमेरिका की कंपनी आईसमॉस के साथ साझेदारी में विकसित की जाएगी। सेंसर फैब देश के साथ-साथ विदेशी बाजारों में भी निर्यात किए जाएंगे।

पिछले मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में कंपनी की निवेश योजना, तकनीकी क्षमता, संभावित रोजगार और राज्य को मिलने वाले रणनीतिक लाभों पर विस्तार से चर्चा की गई थी। बैठक में सहमति बनने के बाद अब इस प्रस्ताव को केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। पिछले महीने केंद्र सरकार ने यमुना सिटी में एचसीएल-फॉक्सकॉन के ज्वॉइंट वेंचर वाला सुंदरी की सेमीकंडक्टर यूनिट को मंजूरी दी थी। यह प्रदेश की पहली और देश की छठी सेमीकंडक्टर यूनिट थी। प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि केंद्र की मंजूरी होने पर कंपनी को जमीन आवंटित की जाएगी।

15 एकड़ में यूनिट लगाने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी मिली

03
हजार करोड़ रुपये निवेश करेगी कंपनी

02
हजार से अधिक लोगों को सीधे रोजगार मिलेगा

25 करोड़ सेंसर फैब का निर्माण

इस परियोजना से दो हजार से अधिक लोगों को सीधे रोजगार मिलेगा, जबकि अप्रत्यक्ष रूप से बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर पैदा होंगे। एडिटेक सेमीकंडक्टर्स प्रा.लि. 506 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। एडिटेक में टाटा सेमीकंडक्टर व एसओसी सल्यूशन भी सहयोगी हैं। सालना 25 करोड़ सेंसर फैब का निर्माण होगा।

- **एफडीआई की अनुमति शतप्रतिशत :** सरकार ने निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए आकर्षक रियायतें घोषित की हैं। इसमें भूमि पर 75 फीसदी सब्सिडी, 100 करोड़ रुपये तक पूंजी सब्सिडी, अनुसंधान और विकास पर 2 करोड़ की सहायता, 10 वर्षों तक पीएफ व अन्य करों में छूट, शत-प्रतिशत एफडीआई की अनुमति दी गई है।

मलेशिया रवाना हुई सुखोई-30 ब्रेक पैराशूट की पहली खेप

टूंडला। भारत सरकार के 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' विजन को साकार करते हुए टूंडला के हजरतपुर स्थित आयुध उपस्कर निर्माणी (ओईएफ) अब रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही है। इस निर्माणी में तैयार किए जा रहे सुखोई-30 फाइटर जेट के ब्रेक पैराशूट की मांग अब न केवल भारतीय वायुसेना में है, बल्कि विदेशों में भी इनकी जबरदस्त मांग बढ़ गई है। मंगलवार को फैक्टरी के महाप्रबंधक ने मलेशिया के लिए इन पैराशूटों की पहली खेप को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ओईएफ हजरतपुर आधुनिक रक्षा उत्पादों को विकसित कर स्वदेशीकरण और घरेलू रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभा रही है। संवाद